(ग) वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में शासन के मुद्दे

(घ) कृषि में पूंजी का ट्रांसनेशनलाइजेशन

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4462 **J**

Unique Paper Code : 2274000022

Name of the Paper : GLOBAL POLITICAL ECONOMY

Name of the Course : **GENERIC ELECTIVE**

Semester : IV/VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **any five** questions.
3. All questions carry equal (18) marks. (18x5=90)
4. Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी** प्रश्न के अंक समान (18) हैं। (18x5=90)

4. इस प्रश्न पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss the crucial shifts in the sphere of production, consumption and spatial organisation of economic activities in the transition from Fordism to Post-Fordism. (18)

फोर्डवाद से उत्तर-फोर्डवाद में संक्रमण में उत्पादन, उपभोग और आर्थिक गतिविधियों के स्थानिक संगठन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों पर चर्चा कीजिए।

9. Write short notes on **any two** of the following: (9x2)

(a) The analysis of Fordism by the French Regulation School

(b) The Employee versus Independent Contractor Debate in Gig Work

(c) Governance issues in Global Value Chains

(d) Transnationalisation of Capital in Agriculture

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए

(क) फ्रेंच रेगुलेशन स्कूल द्वारा फोर्डिज्म का विश्लेषण

(ख) गिग वर्क में कर्मचारी बनाम स्वतंत्र ठेकेदार बहस

7. Analyse, how "financialization" has resulted in a redistribution of incomes and wealth in favour of financial sector and particularly the upper fractions of capitalist and managerial classes. What are the ideological and policy changes both in the corporate sector as well as the Governments associated with this? (18)

विश्लेषण कीजिए कि कैसे ''वित्तीयकरण'' के परिणामस्वरूप वित्तीय क्षेत्र और विशेष रूप से पूंजीवादी और प्रबंधकीय वर्गों के उच्च अंशों के पक्ष में आय और धन का पुनर्वितरण हुआ है। कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों में भी इससे जुड़े वैचारिक और नीतिगत परिवर्तन क्या हैं?

8. Discuss the institutional and organisational structure of the WTO highlighting the issues relating to dispute settlement under it. (18)

विश्व व्यापार संगठन के संस्थागत और संगठनात्मक ढांचे पर चर्चा कीजिए तथा इसके अंतर्गत विवाद निपटान से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिये।

2. How have multinational corporations (MNCs) evolved within the structure of capitalist production? Explain how its multidivisional and multi-country operations are conducive to the necessity of rapid product innovations and as well as increasing the life cycle of the old products. (10+8)

पूंजीवादी उत्पादन की संरचना के भीतर बहुराष्ट्रीय निगम (एमएनसी) कैसे विकसित हुए हैं? यह बताइये कि कैसे इसके बहुविभागीय और बहु-देशीय संचालन तेजी से उत्पाद नवाचारों की आवश्यकता के साथ-साथ पुराने उत्पादों के जीवन चक्र को बढ़ाने के लिए अनुकूल हैं।

3. "It makes labour a common substance not only for industrial workers in factories.. but also increasingly for all human lives in Asia" (D.Chang). Explain the statement. Discuss the different pathways to informalisation of labour in such a context. (8+10)

''यह न केवल कारखानों में औद्योगिक श्रमिकों के लिए बल्कि एशिया में सभी मानव जीवन के लिए भी श्रम को एक सामान्य पदार्थ बनाता है'' (डी. चांग)। इस कथन की व्याख्या कीजिए। ऐसे संदर्भ में श्रम के अनौपचारिकीकरण के विभिन्न मार्गों पर चर्चा कीजिए।

4. Why does David Harvey consider the neo-liberal state inherently unstable? Briefly discuss the neo-conservative answer to this instability. (10+8)

डेविड हार्वे नव-उदारवादी राज्य को स्वाभाविक रूप से अस्थिर क्यों मानते हैं? इस अस्थिरता के नव-रूढ़िवादी उत्तर पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

5. "The incredible contradictions of wealth and power that now exists in the upper echelons of capitalism have not been seen since the 1920s" (David Harvey). Do you think this phenomenon is a mere by-product of neoliberalism or is it the very core of

what neoliberalism is all about? Discuss and substantiate from experiences of neoliberal transitions. (18)

''पूंजीवाद के उच्च वर्गों में अब जो धन और शक्ति के अविश्वसनीय विरोधाभास मौजूद हैं, वे 1920 के दशक के बाद से नहीं देखे गए हैं'' (डेविड हार्वे)। क्या आपको लगता है कि यह घटना नवउदारवाद का एक मात्र उपोत्पाद है या यह नवउदारवाद का मूल है? नवउदारवादी बदलावों के अनुभवों से चर्चा कीजिए और पुष्टि कीजिए।

6. What is meant by the term "fictitious capital"? Explain its role in the contemporary global economy and particularly in the systemic crisis that broke out in 2008. (18)

''काल्पनिक पूंजी'' शब्द का क्या अर्थ है? समकालीन वैश्विक अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से 2008 में सामने आए प्रणालीगत संकट में इसकी भूमिका की व्याख्या कीजिए।